प्रेस के लिए सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 73/2024)

तत्काल प्रकाशन हेतु

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

माननीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने भादूविप्रा द्वारा आयोजित 'प्रसारण क्षेत्र में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकी' विषय पर एक परिसंवाद का उद्घाटन किया ।

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 2024: माननीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने आज आज इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी-2024) के मौके पर भादूविप्रा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू और भादूविप्रा के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति में भादूविप्रा द्वारा आयोजित 'प्रसारण क्षेत्र में उभरते रूझान और प्रौद्योगिकियों' विषय पर आधे दिन के परिसंवाद का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम को उद्योग जगत में हाल ही में हुई तकनीकी प्रगति और उनके बढ़ते प्रभाव की पृष्ठभूमि में आयोजित किया जा रहा है।

2. भादूविप्रा के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी ने गर्मजोशी से स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने रेखांकित किया कि आज की संगोष्ठी को इस क्षेत्र में नई चर्चाओं और विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करने के लिए भादूविप्रा के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए है, जो हाल के घटनाक्रमों के आलोक में विनियामक ढांचे में आवश्यक परिवर्तनों को संबोधित कर सकती है।

3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) के सचिव श्री संजय जाजू ने अपने विशेष संबोधन में प्रसारण क्षेत्र को सक्षम बनाने के लिए विकासोन्मुख नीतियों और पहलों को आकार देने में मंत्रालय की भूमिका पर प्रकाश डाला । उन्होंने एक किफायती जन संचार उपकरण के रूप में डिजिटल रेडियो की क्षमता पर जोर दिया जो स्पेक्ट्रम उपयोग का अनुकूलन करता है और बेहतर ध्वनि गुणवत्ता प्रदान करता है। उन्होंने डायरेक्ट-टू-मोबाइल (डी2एम) प्रसारण के लाभों पर भी चर्चा की, जो मोबाइल फोन पर सीधे सामग्री वितरण को सक्षम बनाता है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार

भारती, आईआईटी कानपुर और सांख्य लैब्स के सहयोग से, उच्च-शक्ति और निम्न-शक्ति दोनों ट्रांसमीटरों का उपयोग करके डी2एम परीक्षण कर रहा है। उन्होंने 5जी की परिवर्तनकारी क्षमता पर भी बात की, विशेषरूप से जब इसे संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता जैसी इमर्सिव प्रौद्योगिकियों के साथ जोड़ा जाए, जो अत्यधिक आकर्षक प्रसारण अनुभव प्रदान कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उल्लेख किया कि एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (एवीजीसी-एक्सआर) क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है, जिसमें स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और सामग्री उपभोग के अनुभव को बढ़ाने की क्षमता है।

4. भादूविप्रा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी ने अपने मुख्य भाषण में, मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र की महत्वपूर्ण विकास प्रक्षेपवक्र को रेखांकित किया, जिसके 2026 तक 3.08 ट्रिलियन रुपए तक पहुंचने का अनुमान है, जो नए मीडिया प्लेटफार्मों के तेजी से विस्तार से प्रेरित है। उन्होंने इमर्सिव प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया, जो अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव अनुभव प्रदान करती है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि डायरेक्ट-टू-मोबाइल (डी2एम) प्रसारण एक वैकल्पिक सामग्री वितरण तकनीक के रूप में उभर रहा है, जो इंटरनेट के बिना भी एक साथ प्रसारण की अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने डिजिटल रेडियो के लाभों पर जोर दिया, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां टेलीविजन कनेक्शन की कमी है और उन्होंने उपभोक्ता हितों की रक्षा करने, सेवा प्रदाताओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने और प्रसारण क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए दूरदर्शी सिफारिशें और नियम प्रदान करने के लिए भादूविप्रा की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। भादूविप्रा ने हाल ही में राष्ट्रीय प्रसारण नीति के निर्माण के लिए अपनी सिफारिशें प्रदान की हैं।

5. सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने अपने उद्घाटन भाषण में, भारत के प्रसारण क्षेत्र पर प्रौद्योगिकीय प्रगति के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया, जिसमें दर्शकों के लिए विषय-वस्तु प्राथमिक फोकस बन गई है। उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में कमजोर आबादी के समावेश को सुनिश्चित करने के लिए प्रसारण सेवाओं तक उनकी पहुंच में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने एवीजीसी क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने तथा व्यापार करने को आसान बनाने के लिए सुव्यवस्थित एकल-खिड़की प्रणाली के माध्यम से भारत में सामग्री उत्पादन को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत की वृद्धि एक सामग्री-संचालित अर्थव्यवस्था के रूप में है जो सामग्री निर्माताओं को भी लाभान्वित कर रही है। उन्होंने स्थानीय सामग्री को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए 234 नए शहरों में एफएम रेडियो चैनलों की नीलामी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की हालिया मंजूरी का भी उल्लेख किया। उन्होंने आर्थिक विकास और सांस्कृतिक प्रसार में प्रसारण क्षेत्र की भूमिका को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकीय प्रगति का उपयोग करने तथा सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली मीडिया सामग्री तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

6. आज के परिसंवाद का उद्देश्य विभिन्न प्रसारण उपयोग मामलों में इमर्सिव प्रौद्योगिकियों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों और परिवर्तनकारी क्षमता का पता लगाना है। विचार-विमर्श को तीन बैक-टू-बैक सत्रों में विभाजित किया गया है (कार्यक्रम संलग्न)। पहला सत्र 'प्रसारण परिदृश्य में इमर्सिव प्रौद्योगिकियों का उपयोग' पर होगा, इसके बाद 'डी2एम और 5जी प्रसारण: अवसर और चुनौतियां' पर सत्र होगा और अंतिम सत्र 'डिजिटल रेडियो प्रौद्योगिकी: भारत में तैनाती की रणनीति' पर होगा। इन सत्रों में वक्ताओं में संचार क्षेत्र, टेलीविजन और रेडियो प्रसारण जगत के प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, उपकरण और नेटवर्क निर्माता, प्रौद्योगिकी दिग्गज और सरकार शामिल हैं। इस परिसंवाद में 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं ।

7. परिसंवाद के बारे में किसी भी जानकारी/स्पष्टीकरण के लिए, श्री दीपक शर्मा, सलाहकार (बीएंडसीएस), भादूविप्रा से advbcs-2@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

अतुल चौधरी 17/10/2024

(अतुल कुमार चौधरी)
सचिव, भादूविप्रा

******

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

"प्रसारण क्षेत्र में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकियां"

विषय पर परिसंवाद

दिनांक: 17 अक्टूबर, 2024 (0900 - 1330 बजे)

स्थल: सेशन हॉल - जल, हॉल नंबर 5,

प्रथम तल, भारत मंडपम, नई दिल्ली

कार्यक्रम

0900 - 1000 बजे	**उद्घाटन सत्र**
0900 - 0929 बजे	गणमान्य व्यक्तियों का आगमन
0930 - 0932 बजे	दीप प्रज्वलन
0933 - 0936 बजे	स्वागत भाषण - श्री अतुल कुमार चौधरी, सचिव, भादूविप्रा
0937 - 0940 बजे	विशेष भाषण - श्री संजय जाजू, सचिव, एमआईबी
0941 - 0945 बजे	मुख्य भाषण - श्री अनिल कुमार लाहोटी, अध्यक्ष, भादूविप्रा
0946 - 0956 बजे	उद्घाटन भाषण - डॉ. एल. मुरुगन, माननीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री
0957 - 0958 बजे	गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति-चिन्ह प्रदान करना
0959 - 1000 बजे	धन्यवाद ज्ञापन - सुश्री वंदना सेठी, सलाहकार, भादूविप्रा
1000 - 1015 बजे	चाय के लिए ब्रेक
1015 - 1155 बजे	**सत्र 1: प्रसारण परिदृश्य में इमर्सिव टेक्नोलॉजीज का उपयोग**
	सत्र अध्यक्ष: श्री विशाल आर्य, प्रौद्योगिकी प्रमुख, टाटा प्ले लिमिटेड। 1. श्री एलन नॉर्मन, सार्वजनिक नीति निदेशक, मेटा प्लेटफॉर्म 2. डॉ. बो हेगरमैन, निदेशक एडवांस टेक्नोलॉजी, एपीएसी, एरिक्सन 3. श्री राहुल सेठी, मेटावर्स विशेषज्ञ और संस्थापक, मेटावर्स911 4. श्री गणेश कुमार, सीनियर सॉल्यूशन आर्किटेक्ट, आईएमईए, डॉल्बी लैबोरेटरीज 5. श्री सिद्धार्थ शर्मा, सीईओ, भारती टेलीमीडिया लिमिटेड 6. श्री अरुणव कोनार, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ब्रॉडकास्ट सिस्टम और आईटी, जीईईएल

	7. श्री टेड लेवर्टी, वीपी-ग्लोबल स्टैंडर्ड्स, एक्सपेरी 8. श्री क्रिश्चियन साइमन, बिजनेस डेवलपमेंट एशिया और यूरोप, फ्राउनहोफर आईआईएस
1200 - 1240 बजे	**सत्र 2: डी2एम और 5जी प्रसारण: अवसर और चुनौतियाँ**
	सत्र का अध्यक्ष: श्री अशोक कुमार, डीडीजी, दूरसंचार विभाग 1. श्री पल्लब दत्ता, अनुसंधानकर्ता, सी-डॉट 2. श्री प्रशांत मारू, एवीपी, बिक्री और व्यवसाय विकास, तेजस नेटवर्क 3. डॉ. विनोश बाबू जेम्स, निदेशक, तकनीकी मानक क्वालकॉम
1245- 1325 बजे	**सत्र 3: डिजिटल रेडियो प्रौद्योगिकी: भारत में परिनियोजन की रणनीतियाँ**
	सत्र अध्यक्ष: श्री एस.टी. अब्बास, डीडीजी, दूरसंचार विभाग 1. श्री अलेक्जेंडर जिंक, मुख्य व्यवसाय विकास प्रबंधक डिजिटल रेडियो, फ्राउनहोफर आईआईएस 2. श्री अश्रुफ अल-दिनारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एक्सपेरी 3. श्री योगेंद्र पाल, माननीय अध्यक्ष भारत अध्याय और माननीय सदस्य - डीआरएम सह संघ
1325- 1330 बजे	समापन सत्र - श्री अभय शंकर वर्मा, प्रधान सलाहकार, भादूविप्रा
1330 बजे के बाद	**दोपहर का भोजन**

****